सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 126 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 12 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जीवन में खुश रहने का फैसला करो। खुश रहने को अपने जीने का तरीका बनाओ।

-महात्रिया रा

हिंदुस्तान का मुसलमान बंधुआ मजदूर... 2 | क्या वाकई में कम हो गया देश में... 3 | लाडली बहना योजना से सौदेबाजी... 7

प्रियंका ने मप्र में बजा दिया चुनावी बिगुल

» जनसभा में भाजपा सरकार पर जोरदार हमला

» बोलीं- धनादेश के बल पर दबाया जनादेश

» बड़े वादे करके भूल जाती बीजेपी

» मोदी को दी गई गालियों से लंबी लिस्ट घोटालों की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जबलपुर। मप्र में आने वाले विधान सभा व लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने वहां से चुनावी बिगुल बजा दिया है। वहां पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो वादा करता है वो कर के चला जाता है। बड़े वादे और घोषणाएं कर के लोग चुनाव जीत जाते हैं, लेकिन उन वादों को पूरा नहीं करते। मैं आपको पुरानी राजनीति की याद दिलाना चाहती हूं वो जो कहते थे कर के दिखाते थे। आपकी सेवा सर्वोपरि होती थी। जो पिछले 18 सालों से हो रहा है आपके साथ वो गलत हो रहा है। आपका शोषण और इस्तेमाल हो रहा है। धनादेश के बल पर जनादेश को कुचला जाता है।

बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी को दी गई गालियों से लंबी तो एमपी बीजेपी सरकार के घोटालों की लिस्ट है। तकरीबन हर महीने एक घोटाला हो ही रहा है। वहीं, कांग्रेस महासचिव ने यह भी आरोप लगाया कि बीते 3 साल में शिवराज सरकार केवल 21 सरकारी नौकरियां ही दे सकी है।

मां नर्मदा की पूजा की

प्रियंका गांधी को मां नर्मदा की पूजा की। उनको चुनरी अर्पित की गई और गणेश भगवान की प्रतिमा भेंट स्वरूप दी गई है। प्रियंका ने यहां मौजूद सभी लोगों के साथ मां नर्मदा को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। गौरी घाट पर लोगों ने प्रियंका गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए। मां नर्मदा का पूजन करने के बाद अब प्रियंका गांधी जीत का आशीर्वाद लेने के लिए गौरी घाट पहुंची हैं। गौरीघाट में उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद हैं।

सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था

प्रियंका गांधी आज जबलपुर में तीन घंटे बिताने वाली हैं। लिहाजा उनकी सुरक्षा को लेकर काफी चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं। पुलिस को प्रियंका की सुरक्षा को लेकर खतरे का इनपुट भी मिला है। विशेष सतर्कता के चलते 200 अफसर और जवान प्रियंका गांधी की सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

बीजेपी धर्म की राजनीति करती है : कमलनाथ

जबलपुर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमि है। कमलनाथ ने कहा कि मुझे जबलपुर आ कर अपनी जवानी के दिन याद आते हैं। ये मत सोचिएगा कि मैं बूढ़ा हो गया हूं। कमलनाथ ने कहा कि जबलपुर हमारे संस्कारों की धानी है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए कमलनाथ ने कहा कि बीजेपी धर्म की राजनीति करती है, धर्म का प्रचार करती है।

रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि

प्रियंका गांधी भंवरताल गार्डन में स्थित महारानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा कांग्रेस कार्यकर्ता रक्तदान शिविर लगाकर नौजवानों के खून की एक बूंद राष्ट्र निर्माण के लिए भेंट करेंगे और एकत्र किया गया रक्त ब्लड बैंक को दान किया जाएगा। प्रियंका गांधी रक्त दान कार्यक्रम रक्तदान में शामिल होने के लिए शंकराचार्य चौक भी जाएंगी।

कांग्रेस ने सजाई बजरंगबली की गदा

मप्र के चुनावी समर में बीजेपी की जगह कांग्रेस बजरंगबली का गदा लेकर आई है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के सोमवार 12 जून को जबलपुर आगमन पर स्वागत में कांग्रेस ने आदि शंकराचार्य चौक में बजरंग बली की 30 फीट ऊंची गदा सजाई है। यहां प्रियंका के साथ पीसीसी चीफ कमलनाथऔर उनके सांसद पुत्र नकुलनाथ के होर्डिंग भी लगाए गए हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा के मुताबिक हनुमान जी की 30-30 फुट की गदा पूरे शहर में लगाई गई है, जो न्याय की विजय का प्रतीक होगी।

हिंदुत्व सरकार के ढोंग का पर्दाफाश : राउत

» तीर्थयात्रियों पर पुलिस का लाठीचार्ज, शिंदे सरकार पर विपक्ष का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एक मंदिर की ओर जा रहे वारकरी भक्तों पर महाराष्ट्र के पुणे जिले के पंढरपुर में पुलिस के लाठीचार्ज पर विपक्ष ने शिंदे सरकार को निशाने पर ले लिया है। शिवसेना के वरिष्ठ सांसद संजय राउत ने ट्वीट किया है कि ओह ओह.. हिंदुत्व सरकार के ढोंग का पर्दाफाश हो गया। नकाब उतर गया, औरंगजेब क्या अलग व्यवहार करता था? मुगलों का महाराष्ट्र में पुनर्जन्म हुआ है।

ज्ञात हो कि भगवान कृष्ण के एक रूप भगवान विठोबा के भक्तों के द्वारा निकाले गए जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं की पुलिस से बहस हो गई थी।

वारकरी बंधुओं पर लाठियां बरसाना निंदनीय : भुजबल

एनसीपी के छगन भुजबल ने ट्वीट किया, वारकरी संप्रदाय, वारकरी बंधुओं के प्रति सरकार की कोई जिम्मेदारी है या नहीं? उन्होंने लिखा श्री क्षेत्र आलंदी में जिस तरह से पुलिस ने वारकरी बंधुओं पर लाठियां बरसाईं, वह अत्यंत निंदनीय है। वारकरी संप्रदाय की नींव रखने वाले महान संत ज्ञानेश्वर महाराज के सान्निध्य में वारकरी बंधुओं का यह अपमान घोर निंदनीय है।

मणिपुर में केंद्र सरकार को झटका

» शांति कमेटी में कुकी नेताओं ने किया शामिल होने से इनकार

» सीएम से हैं नाराज कुकी जनजाति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में शांति प्रयासों को झटका लगा है। दरअसल केंद्र सरकार ने राज्य में शांति लाने के लिए राज्यपाल की अध्यक्षता में 51 सदस्यीय शांति समिति का गठन किया था। इस समिति में सीएम एन बीरेन सिंह और विभिन्न जनजातियों के प्रतिनिधियों समेत बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से खबर आ रही है कुकी जनजाति के अधिकतर प्रतिनिधियों ने इस शांति समिति में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

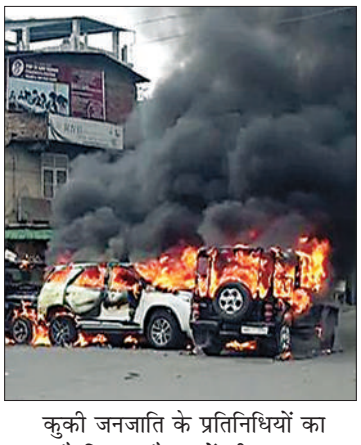

कुकी जनजाति के प्रतिनिधियों का कहना है कि इस पैनल में सीएम एन बीरेन सिंह और उनके समर्थकों को भी शामिल किया गया है, इसलिए वह इस शांति समिति का बायकॉट करेंगे। कुकी प्रतिनिधियों का ये भी कहना है कि उन्हें शांति समिति में शामिल करने से पहले उनसे इस बारे में नहीं पूछा गया था। साथ ही केंद्र सरकार को वार्ता के लिए सहायक परिस्थितियां बनानी चाहिए।

कोकोमी समूह से है आपत्ति

कुकी जनजाति के लोगों का आरोप है कि कोकोमी समूह ने कुकी लोगों के खिलाफ युद्ध घोषित कर रखा है। ऐसे में जब हिंसा जारी है तो हम मणिपुर सरकार के साथ बातचीत नहीं कर सकते। मणिपुर के जनजातीय संगठन आईटीएलएफ ने भी शांति समिति के गठन पर नाराजगी जाहिर की है। संगठन का कहना है कि शांति समिति के गठन से पहले हालात का सामान्य होना जरूरी है। हालांकि आईटीएलएफ ने राज्य में तुरंत शांति स्थापित करने बात भी कही लेकिन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के शांति समिति में शामिल होने का विरोध किया। बता दें कि मणिपुर में हिंसा शुरू हुए एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। इस हिंसा में अभी तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों घायल हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग बेघर हुए हैं।

भाजपा की कथनी करनी में अंतर : अखिलेश

» बड़ी नदियां भ्रष्टाचार के कारण मैली हैं और छोटी संरक्षण के अभाव में सूख रही हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को खूब खरी-खोटी सुनाई है। पूर्व यूपी सीएम ने कहा कि बीजेपी की कथनी और करनी में अंतर है। डबल इंजन की सरकार में कानून-व्यवस्था का हाल यह है कि सत्ताधारी सांसद के खिलाफ पुलिस एफआईआर कर रही है। चांदी की लूट में पुलिस वालों का ही हाथ मिला है और चोरी की बाइक थाने से बरामद हो रही है।

अखिलेश ने साथ ही नारा दिया- 80 हराओ-भाजपा हटाओ। अखिलेश यादव ने जारी एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री बात तो जीरो टॉलरेंस की करते है, लेकिन उनके संरक्षण में भ्रष्टाचार और अपराध को खुली छूट मिली हुई है। भाजपा सरकार में 10 गुना भ्रष्टाचार बढ़ गया है। सवा छह साल के कार्यकाल में भाजपा का असली काम यही है कि कागजों में सब चकाचक और असलियत में बदहाल उत्तर प्रदेश। उन्होंने कहा कि जलभराव की दिक्कतें दूर करने के लिए भाजपा सरकार ने 15 जून की तारीख तय की पर अभी तक कई नालों की सफाई के आसार तक नहीं दिखे है। उन्होंने कहा कि जलभराव की दिक्कतें दूर करने के लिए भाजपा सरकार ने 15 जून की तारीख तय की पर अभी तक कई नालों की सफाई के आसार तक नहीं दिखे है। भाजपा सरकार में बड़ी नदियां भ्रष्टाचार के कारण मैली हैं और छोटी नदियां संरक्षण के अभाव में सूख रही हैं। प्रयागराज में यमुना किनारे अवैध खनन का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में ईज ऑफ डूइंग का मतलब हत्या, बलात्कार, लूट और भ्रष्टाचार है। जानकारों का कहना है कि यूपी में सपा कांग्रेस से समान दूरी बनाए रखते हुए अपना सफर तय करेगी। राममनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव की नसीहतें और अतीत के सबक उसे इसी रणनीति पर आगे बढ़ा रहे हैं। अलबत्ता, जिस तरह से बीजू जनता दल ने उड़ीसा में अपनी जगह बनाई है, ठीक उसी तरह सपा ने भी यूपी में अपना अंगद पांव जमाने का लक्ष्य लिया है। सपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का साथ लिया। लेकिन, फायदे के बजाय उसे नुकसान हुआ। समाजवादियों को उम्मीद थी कि कांग्रेस के साथ गठबंधन से सामान्य वर्ग का कुछ प्रतिशत वोट उसके पक्ष में आएगा, पर नतीजे इसके एकदम विपरीत आए। सूत्र बताते हैं कि अतीत के इस सबक को लेकर सपा नेतृत्व ने काफी मंथन किया है। राममनोहर लोहिया की पूरी राजनीति कांग्रेस के खिलाफ रही। मुलायम सिंह यादव भी मानते थे कि कांग्रेस से दोस्ती सपा के हित में नहीं है। यूपी का राजनीतिक इतिहास बताता है कि यहां कांग्रेस के उत्तरोत्तर पतन और सपा-बसपा के उसी क्रम में उभार के बीच गहरा रिश्ता रहा है।

बोले- 10 गुना भ्रष्टाचार बढ़ गया, पुलिस ही लूट रही जनता को

बसपा के साथ आ सकती है कांग्रेस

दरअसल यूपी में कांग्रेस, सपा से ज्यादा बसपा के नजदीक आना चाह रही है। पर विभिन्न कारणों से बसपा उससे हाथ मिलाने में रुचि नहीं ले रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कह भी चुके हैं कि वे बसपा को आगे रखकर यूपी में गठजोड़ चाहते हैं। स्थानीय कांग्रेसी भी मानते हैं कि यूपी में बसपा का साथ मिलने से दलित व सामान्य वर्ग का समीकरण बनेगा, जो सीटों के लिहाज से काफी मुफीद साबित हो सकता है।

कांग्रेस के करीब हो सकती है रालोद

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) सभी धर्मों, वर्गों को साथ जोड़ने की बात कहकर अभियान की शुरू की, पर इसका फोकस खास तौर से मुस्लिमों पर है। यह भविष्य को पुख्ता करने की भी कवायद है ताकि यदि लोकसभा चुनाव तक सपा से राह अलग हो तो मुस्लिम उसके साथ ही रहें। 2022 में सपा व रालोद ने विधानसभा चुनाव साथ लड़ा था। भले ही यह गठबंधन सत्ता के सोपान तक न पहुंच पाया हो पर रालोद को तो इसका लाभ ही हुआ। वह एक सीट से बढ़कर आठ तक पहुंच गया। बाद में खतौली उपचुनाव जीतकर संख्या नौ पहुंच गई। हाल ही में हुए नगर निकाय चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों में मनमुटाव हुए तो कई जगह सपा व रालोद ने अपने अपने प्रत्याशी उतार दिए। कहा जा रहा है कि लोकसभा में रालोद और कांग्रेस साथ आ सकते हैं। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद यह चर्चा और पुख्ता हो रही है।

महा विकास अघाड़ी को मिला बहुमत तो दादा होंगे सीएम: सुले

» अजित पवार के नाखुश होने पर सुप्रिया ने तोड़ी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने अजित पवार को लेकर चल रहे अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि अजित पवार पार्टी में प्रमुख स्थान नहीं मिलने से नाखुश हैं। सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र में अजित पवार के लिए एक बड़ी भूमिका का भी जिक्र किया।

उन्होंने संकेत दिया कि अगर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को सबसे अधिक सीटें मिलीं, तो उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता राज्य के अगले मुख्यमंत्री हो सकते हैं। सुप्रिया सुले ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कौन कहता है कि अजीत पवार खुश नहीं हैं, क्या

किसी ने उनसे पूछा है? रिपोर्ट हवा-हवाई बातें हैं। दादा (अजीत पवार) राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। उनका पद मुख्यमंत्री के समकक्ष होता है। भाजपा अजीत पवार को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। इधर, एनसीपी प्रमुख शरद पवार द्वारा प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले को नए कार्यकारी अध्यक्ष नामित किए जाने के बाद, पार्टी के खिलाफ वंशवाद की राजनीति के आरोप लगाए गए।

वैट बढ़ाकर आप सरकार ने लोगों का बढ़ाया कष्ट : सुखवीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा राज्य में पेट्रोल और डीजल पर वैट बढ़ाए जाने के फैसले की विपक्षी दलों ने कड़ी निंदा की है। सरकार के फैसले से पेट्रोल के दाम में 93 पैसे और डीजल के दाम में 89 पैसे की बढ़ोतरी हो गई है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और कांग्रेस ने इस वृद्धि को आम लोगों और किसानों पर 'अभूतपूर्व बोझ' और आप सरकार का जनता-विरोधी फैसला बताया है।

शिअद के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने पेट्रोल और डीजल पर वैट बढ़ाकर आप सरकार द्वारा आम लोगों और किसानों पर बोझ बढ़ाने की निंदा की। उन्होंने इसे मनमानी वृद्धि बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की और कहा सरकार को आम आदमी को कष्ट देने के बजाय अपने कई सौ करोड़ के विज्ञापन खर्च पर रोक लगाकर पैसा बचाना चाहिए।

हिंदुस्तान का मुसलमान बंधुआ मजदूर नहीं : अजीज कुरैशी

» बोले-सेक्यूलर पार्टियां मुस्लिमों को कर रहीं इग्नोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अल्पसंख्यक नेताओं की बैठक पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी के आवास पर बैठक हुई। इस बैठक के बाद कुरैशी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सेक्यूलर पार्टियां कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मुसलमानों को इग्नोर कर रही है। उनमें डर और भय है। इनको दूर करने और पार्टी में अपनी जगह पाने के लिए यह बैठक बुलाई गई।

मुसलमानों को पार्टी में दूर किया जा रहा है। कुरैशी ने कहा कि पार्टी की कमेटियों से मुसलमान गायब है। टिकट मिलते नहीं है। मध्य प्रदेश से कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक है। यहां से तीन तीन एमपी हुआ करते थे। 12 विधायकों के लिए टिकट

मिला करते थे। उन्होंने कहा कि मुसलमानों के लिए के लिए लड़ाई करेंगे। किसी से भीख नहीं मांगेगे। हिंदुस्तान का मुसलमान ना गुलाम है ना बंधुआ मजदूर है। कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस पर अपर कॉस्ट लीडरशिप का कब्जा है। मालदार, पूंजीपति, उद्योगपति का कब्जा है। इनसे कांग्रेस को मुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि कॉमन आदमी का संगठन बनाना है, जो इन पूजीवादियों का मुकाबला कर सकें।

होइहै वही जो राम रचि राखा : बृजभूषण

» रैली कर भाजपा सांसद ने किया शक्ति प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर आयोजित रैली में यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों पर कोई भी टिप्पणी नहीं की। कहा कि होइहै वही जो रामरचि राखा, को करि तर्क बढ़ावै साखा। इस दौरान कांग्रेस सरकार पर उन्होंने जमकर निशाना साधा। कहा कि जब देश 1947 में आजाद हुआ उस समय देश के प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू थे।

पाकिस्तान ने जमीन कब्जा कर लिया। कश्मीर पर लोग कहते थे जहां हुए पैदा मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है लेकिन आज अमित शाह व पीएम नरेंद्र मोदी की देन है कि हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि कश्मीर हमारा है। भाजपा सांसद ने कहा कि मोदी ने बैंकों में जनधन खाता खुलवाया। उसका फायदा सब लोग जानते हैं। 1975 में जब इमरजेंसी लगी उस समय भी सरकार कांग्रेस की थी। भाजपा ने नारा दिया था कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। मंदिर बन रहा है। जिसका सारा श्रेय मोदी को जाता है।

भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री से पहले जनता को श्रेय दिया जाता है जिसने भाजपा सरकार बनाई है। कांग्रेस की सरकार में चीन ने 33 हजार वर्ग किलो मीटर जमीन कब्जा किया है। 1971 में हिंदुस्तान के इतिहास में एक घटना हुई जब पाकिस्तान ने हमारे देश के 92 हजार सैनिकों को बंदी बनाया था। अगर उस समय मोदी वाला भारत होता तो ऐसा कभी नहीं होता। आज भारत के लोग पूछते हैं कि मोदी ने क्या किया। हम कांग्रेस के लोगों से पूछते हैं जब मंदिर का केस चल रहा था तब कांग्रेस वकीलों की फौज खड़ी कर देती थी।

भाजपा के कसीदे पढ़े, कांग्रेस को कोसा

कई जिलों के समर्थक हुए शामिल

केंद्र में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बालपुर के रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय परिसर में आयोजित रैली व जनसभा में कैसरगंज के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने शक्ति प्रदर्शन में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिले के कोने-कोने से कार्यकर्ताओं व समर्थकों को बुलाया गया था। गोंडा के अलावा बहराइच और बलरामपुर जिले से भी समर्थक जनसभा में पहुंचे।

क्या वाकई में कम हो गया देश में मोदी का करिश्मा!

राहुल गांधी और शरद पवार कर चुके हैं 24 में बड़े सियासी बदलाव का दावा

- कर्नाटक में मिली हार के बाद से लगातार उठ रहा देश में बदलते माहौल का सवाल
- आरएसएस ने भी माना सिर्फ मोदी और हिंदुत्व चुनाव जीतने के लिए काफी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ 8-9 महीनों का ही समय शेष रह गया है। ऐसे में विपक्ष जहां ओर एकजुटता पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है, तो वहीं सत्ताधारी दल भाजपा ने भी 24 को लेकर अपनी आगामी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। लेकिन इस बार 24 को लेकर सरकार और प्रधानमंत्री मोदी काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। उसकी प्रमुख वजह है कर्नाटक चुनाव में भाजपा को मिली करारी हार। दरअसल, कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने हिंदुत्व से लेकर मोदी की ब्रांडिंग तक हर दांव आजमा लिया। मोदी ने भी कई रैलियां और रोड शो किए, लेकिन नतीजे भाजपा और मोदी के खिलाफ आए। जिसके बाद से ये चर्चा काफी जोरों से हो रही है कि अब मोदी का मैजिक कम हो रहा है। 2024 में 2014 और 19 वाली लहर नहीं रह गई है और मोदी का करिश्मा फेल हो गया है।

इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ये कहा था कि एक छिपा हुआ अंडर करंट पैदा हो रहा है और यह अगले लोकसभा चुनाव में लोगों को आश्चर्यचकित करेगा। राहुल ने यहां साफ कहा था कि मुझे लगता है कि मोदी जी हार रहे हैं। इस खबर ने भाजपा और पीएम मोदी की नीदें उड़ा दी थीं। इसके बाद एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी एक कार्यक्रम में ये कहा था कि 24 में देश का माहौल बदल रहा है। शरद पवार ने ये दावा किया कि मौजूदा समय में देश में बीजेपी के खिलाफ लहर है और देश के लोग बदलाव चाहते हैं। एनसीपी चीफ ने कहा कि हालात को देखते हुए मुझे लगता है कि देश में भाजपा विरोधी लहर चल रही है। पवार ने कहा कि कर्नाटक चुनाव के नतीजों को देखते हुए लोग बदलाव के मूड में हैं। अगर लोगों की यही मानसिकता बनी रही तो आने वाले चुनाव में देश में बदलाव आएगा। यानी विपक्ष के दो बड़े नेताओं के इतना बड़ा दावा करने के बाद अब कहीं न कहीं भाजपा और मोदी को भी 24 को लेकर चिंताएं होने लगी हैं। साथ ही अब ये सवाल भी लोगों के दिमाग में गहरा होता जा रहा है कि क्या वाकई में मोदी का करिश्मा अब कम हो रहा है?

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस ने उठाए बेहतर कदम

संपादकीय में आगे कहा गया कि भाजपा के लिए स्थिति का जायजा लेने का यह सही समय है। क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत नेतृत्व और प्रभावी डिलीवरी के बिना, प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा और हिंदुत्व एक वैचारिक गोंद के रूप में पर्याप्त नहीं होगा। कर्नाटक चुनाव का जिक्र करते हुए आगे लिखा कि मोदी के केंद्र में सत्ता संभालने के बाद पहली बार भाजपा को विधानसभा चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोपों का बचाव करना पड़ा। सत्तारूढ़ दल ने राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों से मतदाताओं को जोड़ने की पूरी कोशिश की, जबकि कांग्रेस ने इसे स्थानीय स्तर पर बनाए रखने की पूरी कोशिश की। उच्च मतदान वाले चुनावों में पिछले वोट शेयर में भाजपा महत्वपूर्ण रूप से जोड़ने में विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप खराब सीट रूपांतरण हुआ। मौजूदा मंत्रियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर भाजपा के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। साथ ही, राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व की भूमिका न्यूनतम होने पर कांग्रेस को फायदा होता है और चुनाव प्रचार को स्थानीय स्तर पर रखा जाता है। यहां आरएसएस ने कांग्रेस की रणनीति की भी तारीफ की। साथ ही भाजपा द्वारा सीनियर लीडर्स की अनदेखी पर भी सवाल उठाए।

आरएसएस की भाजपा और मोदी को नसीहत

लेकिन भाजपा को इससे भी बड़ा झटका तब लगा जब भाजपा के ही बड़े घटक और कहीं न कहीं जनक कहे जाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस ने भी कर्नाटक चुनाव में मिली हार के बाद 2024 के लिए भाजपा और मोदी को सतर्क करते हुए ये नसीहत दे डाली कि अब देश में पीएम मोदी का वो करिश्मा नहीं रहा है और सिर्फ मोदी के चेहरे व हिंदुत्व के दम पर ही चुनाव नहीं जीते जा सकते। आरएसएस की ये नसीहत भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक बड़ी चेतावनी है। दरअसल, अपने अंग्रेजी मुखपत्र ऑर्गनाइजर में कर्नाटक हार की समीक्षा करते हुए और आगामी चुनावों के लिए भाजपा को नसीहत देते हुए संपादकीय निकाला। संपादकीय में भाजपा को 2024 को लेकर आत्ममंथन करने की नसीहत देते हुए लिखा गया कि अब सिर्फ मोदी के करिश्मे और हिंदुत्व के दम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता। संघ ने अपने मुख्य पत्र ऑर्गेनाइजर में कहा है कि जीत के लिए हर जगह सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी और हिंदुत्व ही काफी नहीं है। संघ ने अपने आर्टिकल में लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा और हिंदुत्सव के विचार सभी जगहों पर चुनाव जीतने के लिए काफी नहीं हैं। आर्टिकल में आगे लिखा कि आइडियोलॉजी और केंद्रीय नेतृत्व बीजेपी के लिए हमेशा सकारात्मक पहलू हो सकते हैं, लेकिन जनता के मन को भी पार्टी को समझना होगा।

राज्यों से भी उठने लगे पार्टी में बगावत के सुर

भाजपा के अंगर भी अब बगावत के सुर उठने तेज हो गए हैं। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में आए दिन पार्टी के अंदर बगावत की खबरें सामने आ रही हैं। महाराष्ट्र में एक ओर जहां कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा और शिंदे गुट में उठापटक मची हुई है, तो वहीं दूसरी ओर राज्य में भाजपा के दिग्गज दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटियों ने पार्टी से बगावत भरे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। वहीं मध्यप्रदेश में तो भाजपा तीन खेमों में बंटी नजर आ रही है, जिसमें एक शिवराज की भाजपा है, दूसरी महाराज की भाजपा है और तीसरी नाराज भाजपा है। इसके अलावा राजस्थान भाजपा में भी आंतरिक कलह मची हुई है। एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे हैं, तो दूसरी ओर पार्टी के अन्य सीनियर लीडर हैं। तो वहीं हरियाणा में भी सत्ताधारी भाजपा और उसकी सहयोगी जननायक जनता पार्टी के बीच विवाद सतह पर आ चुका है। ऐसे में अलग-अलग राज्यों में भी पार्टी के अंदर मची बगावत पीएम मोदी व भाजपा का बीपी और भी बढ़ा रहे हैं। क्योंकि ये वो ही राज्य हैं जिनमें इस साल या अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

इन घटनाओं से वाकई में बदलेगा 24 का माहौल?

मोदी मैजिक कम होने की लगातार उठ रही आवाजों के बीच पिछले कुछ वक्त में अगर देखें तो देश के अंदर कई ऐसी घटनाएं भी हुई हैं जिन्होंने सरकार और मोदी की इमेज को नुकसान पहुंचाया है। इसकी एक बड़ी झलक कर्नाटक चुनावो में देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर देश में इस बीच कुछ एक ऐसी घटनाएं भी हुईं जिन्होंने ये साबित किया कि अब देश में मोदी विरोधी माहौल बन रहा है। एक ओर पहलवानों का आंदोलन और उस पर सरकार का रूखा रवैया। वहीं हाल ही में ओडिशा के बालासोर में हुआ देश का सबसे बड़ा रेल हादसा। इसके अलावा मणिपुर में जारी हिंसा को रोकने में भी सरकार पूरी तरह से फेल ही हो रही है। हाल ही में हरियाणा में किसानों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई हैं। ऐसे में ये कुछ घटनाएं देश में सियासी माहौल को बदल सकती हैं। तो वहीं राजनीतिक दृष्टि से देखें तो विपक्षी दलों के साथ सरकार का जो बदले वाला रवैया रहा है, उसे भी लोगों ने देखा है। ये सभी ऐसी घटनाएं हैं जिन्होंने कहीं न कहीं देश में साहेब की छवि को धूमिल किया है और उनके खिलाफ माहौल तैयार किया है। अब क्या होगा ये तो 24 में ही पता चलेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर नफरत भरी पत्रकारिता से क्या हासिल होगा?

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। एक मजबूत लोकतंत्र के लिए मीडिया का स्वतंत्र और निष्पक्ष होना काफी आवश्यक होता है। एक सच्चे पत्रकार और देश की मीडिया का ये कर्तव्य होता है कि वो सत्ता से सवाल करे और लोगों को सच दिखाए व सुनाए। लेकिन पिछले कुछ सालों से हमारे देश की मीडिया किस हालत में है, इससे तो देश का बच्चा-बच्चा काफी अच्छे से वाकिफ है। आज के दौर में मीडिया सिर्फ सत्ता के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई है। वर्तमान दौर में मीडिया लोगों को सिर्फ वो ही दिखा रही है, जो सरकार कह रही है। और सरकार से सवाल न करके विपक्ष से सवाल कर रहा है। लेकिन इससे भी दुख की बात ये है कि देश के अंदर इस दौर में कुछ एक ऐसे पत्रकार हो गए हैं, जो टीवी पर अपने शो में पूरे टाइम देश के अंदर नफरत फैलाने का काम करते हैं।

आज के दौर में मीडिया सिर्फ सत्ता के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई है। वर्तमान दौर में मीडिया लोगों को सिर्फ वो ही दिखा रही है, जो सरकार कह रही है। और सरकार से सवाल न करके विपक्ष से सवाल कर रहा है। लेकिन इससे भी दुख की बात ये है कि देश के अंदर इस दौर में कुछ एक ऐसे पत्रकार हो गए हैं, जो टीवी पर अपने शो में पूरे टाइम देश के अंदर नफरत फैलाने का काम करते हैं।

जहां मीडिया का काम सच को लोगों के सामने लाना और उसे बताना होता है, लेकिन यहां कुछ एक पत्रकार ऐसे हैं जो मनगढ़ंत कहानी को गढ़ लेते हैं और लोगों के सामने इस तरीके से पेश करते हैं, जिससे समाज में नफरत फैले और देश का सांप्रदायिक माहौल बिगड़े। ऐसे पत्रकार अपने हर शो में अपनी हर खबर में कुछ ऐसा करते हैं, जिससे दो समुदायों के बीच में वैमनस्यता बढ़े और लोग एक-दूसरे पर हमलावर हों। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के एक गांव में कुछ अराजक तत्वों ने चार मंदिरों में तोड़फोड़ की और मूर्तियों से छेड़छाड़ कर उन्हें खंडित कर दिया। ये नहीं पता चल सका कि ये अराजक तत्व कौन हैं। लेकिन पत्रकार का चोंगा पहने बैठे देश के कुछ एक कथित पत्रकारों व ऐंकर्स ने इस मामले को अपनी मर्जी से ही सांप्रदायिक रंग देते हुए हिंदू-मुसलमान से जोड़ दिया। इन नफरती एंकरों ने इस खबर को ऐसे दिखाया, जैसे मंदिर पर हमला मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया हो। लेकिन 8 जून को जब पुलिस ने इस मामले के आरोपियों को गिरफ्तार किया तो जो नाम सामने आए, वो सभी हिंदू धर्म के थे। मामले के चारों आरोपी हिंदू थे, लेकिन इन नफरती पत्रकारों व ऐंकर्स ने मामले के खुलासे से पहले ही इसे हिंदू-मुसलमान का रूप देकर देश के सांप्रदायिक माहौल को खराब करने का प्रयास किया। अंत में जब आरोपी हिंदू निकले तो इन पत्रकारों की काफी बेज्जती हो गई। लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि आखिर ऐसा करके ये पत्रकार क्या साबित करना चाहते हैं? या फिर ये क्यों देश के माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं? अपने ही देश में नफरत फैलाकर या माहौल खराब करके आखिर इनको क्या हासिल होगा? या फिर वो कौन हैं जिनके इशारे पर ये लोग ऐसा करते हैं? वो कहते हैं न कि एक मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है। वैसे ही ये कुछ एक पत्रकार नफरत भरी रिपोर्टिंग और पत्रकारिता करके पूरे पत्रकार समुदाय को कलंकित कर रहे हैं और देश के माहौल को बिगाड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कई बार ऐसे पत्रकारों व ऐंकर्स को फटकार लगा चुका है। लेकिन इन पर कोई असर नहीं हुआ।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मासूमों की कब्रगाह बनते खुले बोरवेल

योगेश कुमार गोयल

मध्य प्रदेश के सीहोर में 300 फुट गहरे बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची सृष्टि आखिरकार 55 घंटे की जद्दोजहद के बाद जिंदगी की जंग हार गई। 6 जून की दोपहर एक बजे वह खेलते समय खेत में बने बोरवेल में गिर गई थी। हालांकि बच्ची को बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें निरन्तर अभियान में जुटी थीं, लेकिन उसे बोरवेल से निकालने का काम तब और कठिन हो गया था, जब वह 20 फुट की गहराई से फिसलकर बोरवेल में करीब 100 फुट नीचे चली गई थी। उसके बाद उसे बचाने के लिए रोबोटिक एक्सपर्ट की टीम की मदद ली गई, जिसने 8 जून की शाम को बच्ची को बाहर निकाल तो लिया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

इस दर्दनाक हादसे से चंद दिन पहले 4 जून को गुजरात के जामनगर जिले में भी दो साल की एक बच्ची की 200 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर मौत हो गई थी। बोरवेल में 20 फुट की गहराई पर फंसी उस मासूम को भी 19 घंटे के बचाव अभियान के बाद भी बचाने में सफलता नहीं मिली थी। 20 मई को जयपुर के भोजपुरा गांव में भी 9 साल का एक बच्चा 200 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर 70 फुट की गहराई पर फंस गया था, लेकिन उसे कुछ घंटों की मशक्कत के बाद बचा लिया गया था। इसी साल 15 मार्च को मध्य प्रदेश में विदिशा जिले के लटेरी गांव में 7 साल के लोकेश की भी बोरवेल में गिरने से मौत हो गई थी। बीते कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें कई मासूम दर्दनाक मौत की नींद सो चुके हैं। विडम्बना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समाज में कहीं कोई जागरूकता नजर नहीं आती। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स यानी एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चे बोरवेल में गिर चुके हैं लेकिन उन्हें बचाने में करीब 70 फीसदी रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम रहे हैं। निरन्तर होते ऐसे हादसों को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि मासूम बच्चों की समाधि बनते इन बोरवेल हादसों के प्रति समाज से लेकर पूरा सिस्टम आखिर कब गंभीर होगा?

एनडीआरएफ के मुताबिक बोरवेल उपयोग के मामले में भारत पूरी दुनिया में नंबर 1 पर है और बोरवेल से जुड़े अधिसंख्य हादसों में छोटे बच्चे ही शिकार बनते हैं, जिनमें से महज 30 प्रतिशत बच्चों के ही सुरक्षित बाहर

निकाले जाने की संभावना होती है। बोरवेल में गिरने के करीब 92 प्रतिशत मामलों में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे ही होते हैं। भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेल की संख्या, अनुपयोगी बोरवेल की संख्या और उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर पर कोई डाटाबेस नहीं है। चिंता की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बावजूद सिस्टम भी ऐसे हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, कानूनी संशोधनों और तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे हादसे रुक नहीं रहे। बोरवेल खुदाई को लेकर अलग-अलग राज्यों के हाईकोर्ट के भी कई निर्देश हैं और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी, जो सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्रीय या राज्य की एजेंसी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका का सही तरीके से पालन हो। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाड़िया, जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस स्वतंत्र कुमार की सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने बच्चों को गंभीर बोरवेल हादसों से बचाने के लिए एक रिट पटीशन पर सुनवाई कर 6 अगस्त, 2010 को एक आदेश पारित किया था और उसी समय से यह फैसला देशभर में लागू है लेकिन इसका सही तरीके से पालन कराया जाना आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। विडम्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास होते नहीं दिखे, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार बोरवेल की खुदाई से पहले कलेक्टर अथवा ग्राम पंचायत को लिखित सूचना देनी होगी। खुदाई करने वाली सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्था या ठेकेदार का पंजीयन होना चाहिए।

बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई वाले स्थान पर साइन बोर्ड लगाया जाना चाहिए और खुदाई के दौरान आसपास कंटीले तारों की फेंसिंग की जानी चाहिए तथा फेंसिंग पाइप के चारों ओर सीमेंट अथवा कंक्रीट का 0.3 मीटर ऊंचा प्लेटफार्म बनाना चाहिए। बोरवेल के मुहाने पर स्टील की प्लेट वेल्ड की जाएगी या उसे नट-बोल्ट से अच्छी तरह कसना होगा।

शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाना हो प्राथमिकता

गुरबचन जगत

पत्रिका 'इंडिया टुडे' में छपे एक लेख में कहा गया है कि संसद में सरकार द्वारा रखे आंकड़ों के मुताबिक, भारत से विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में एक साल में 68 प्रतिशत इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में यह गिनती 7,50,365 रही, जबकि 2021 में 4,44,553 थी। न्यूनतम अनुमान के मुताबिक, इस पर आया खर्च काफी विशाल होगा। लेकिन हम सुधार की अपेक्षा रखें भी कैसे, जब पिछले दो दशक से भी ज्यादा अवधि में, सालाना बजट में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का महज 3 फीसदी खर्च रखा गया हो। उल्लेखनीय है कि इकॉनोमिक सर्वे के अनुसार यह मद केंद्र और राज्य सरकारों, दोनों की मिलाकर है। शोर चाहे कितना ही मचाएं लेकिन किसी राजनेता या राजनीतिक दल के पास इतनी दूरदर्शिता नहीं कि शिक्षा का बजट बढ़ाया जाए। स्वास्थ्य पर बजट तो और भी कम है, जोकि जीडीपी के 1.5 फीसदी से 2.0 प्रतिशत के बीच झूलता रहता है।

कदाचित वे हमें अज्ञानी और अधकचरे बनाए रखना चाहते हैं, जो समय-समय पर बंटने वाली सरकारी खैरातों में मुफ्त की वस्तुएं पाने के लिए पंक्तियों में लगे रहें। क्योंकि कमजोर इंसान को जाति-पाति, धर्म, पंथ इत्यादि के नाम पर बरगलाकर वोट प्राप्ति के लिए इस्तेमाल करना ज्यादा आसान होता है। अपने देश में सुविधाओं की कमी के कारण युवाओं के पास उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए विदेश जाने के सिवा विकल्प नहीं बचता। जो मौके उपलब्ध हैं भी, वे राजनीतिक लाभ के लिए बनाए विभिन्न किस्मों के आरक्षण कोटों की वजह से बहुत कम रह जाते हैं। फिर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बुनियादी ढांचा हमारी तेजी से बढ़ती आबादी के बरक्स गति नहीं पकड़ पा रहा आज हम विश्व में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश हैं। उच्च शिक्षा और अच्छे विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप की ओर हमारे बच्चों का यह पलायन क्या यूं ही जारी रहेगा? हमारी शिक्षा नीतियों, विश्वविद्यालयों की हालत और अन्य व्यावसायिक शिक्षा सुविधाओं पर एक नजर डालने पर भविष्य के लिए आशा नहीं जगती।

हमारे यहां समुचित सुविधाएं और अनुसंधान एवं विकास के लिए वह माहौल नहीं है जो युवाओं को नया सोचने और खोज करने को प्रेरित करे। जहां तकनीक चालित जगत में नित उन्नत अनुसंधान हो रहा है वहीं हमारी पुराने ढर्रे की शिक्षा प्रणाली आज भी रट्टा मारकर परीक्षा उत्तीर्ण करने पर केंद्रित है, यह हमें कहीं नहीं पहुंचा सकती। लगता है हम अपने इतिहास का पुनर्निमाण करने और उसे अपने भविष्य के तौर पर पेश करने पर तुले हुए हैं। यह कृत्य गहन प्रतिस्पर्धा वाली मौजूदा दुनिया में हमें पछाड़कर रख देगा, न ही इससे हमारे विश्वविद्यालयों और लैब्स में क्वांटम फिजिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नैनो-टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स इत्यादि नवीनतम तकनीकों का वैसा प्रसार हो पाएगा, जो भविष्य को आकार दे रहा है। आज हम तमाम क्षेत्रों और विधाओं में पश्चिमी जगत और चीन का मुकाबला करना चाहते है, परंतु तरक्की के लिए जो दो अवयव - शिक्षा और स्वास्थ्य - एक पूर्व-शर्त हैं, वह हमारी राजनीतिक सोच में नदारद है। हम रक्षा सामग्री, मेडिकल उपकरण, सेमीकंडक्टर, कंप्यूटर, वाहन, हवाई जहाज और समुद्री जहाजों के आयात पर खरबों-खरबों रुपये खर्च रहे हैं।

यह इसलिए कि स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं नगण्य हैं। हम पहले ही बहुत देर कर चुके हैं, इसलिए अपने उद्योगों का आधुनिकीकरण युद्धस्तर पर करना होगा और इसकी राह शिक्षा एवं स्वास्थ्य से होकर है। भारत सरकार उद्योगों के आधुनिकीकरण में निवेश करने को निजी क्षेत्र की मुख्य भूमिका बनवाने में सफल नहीं हो पाई। भारत सरकार को सभी बड़े उद्योगपतियों के लिए एक समान मौके मुहैया करवाने चाहिए और साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सुनियोजित ढंग से ऊपर उठाना चाहिए। तरजीह वाले क्षेत्रों की शिनाख्त करके उन्हें मदद, प्रोत्साहन व छूटें देकर बढ़ावा देना होगा। जब तक इस उपलब्धि को राष्ट्रीय हित की तरह लेकर, सुनियोजित और समयबद्ध ढंग से नहीं पाया जाएगा तब तक हम उन्नत जमात में शामिल नहीं हो सकते।

विडंबना है कि जिस रूस और अन्य पश्चिमी मुल्कों से हम खरबों डॉलर का आयात कर रहे हैं उन्हीं से तकनीक देने को कह रहे हैं ताकि वे वस्तुएं भारत में बन सकें, पर इसमें सफलता न्यून रही। कंप्यूटिंग क्षमता की बात करें तो आज भी हमारे पास सुपर कंप्यूटर नहीं है और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में तो हमारी स्थिति उस बच्चे की मानिंद है जो अभी चलना सीख रहा है। दवा क्षेत्र में, मुख्य घटक सामग्री और नवीनतम खोज के लिए हम अभी भी चीन और पश्चिमी मुल्कों पर निर्भर हैं। सूची बहुत लंबी है लेकिन यह कहना भी ठीक नहीं कि हमारी उपलब्धियां नहीं हैं। बेशक हमारे पास आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे विश्वस्तरीय संस्थान हैं लेकिन हमारी जरूरत के हिसाब से बहुत कम हैं और बड़ी बात यह कि यहां से प्रशिक्षित होकर निकली प्रतिभाओं को हम उचित माहौल देकर देश में नहीं रोक पा रहे। इन संस्थानों से पढ़कर निकले अधिकांश स्नातक उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए पश्चिमी देशों का रुख करते हैं। जाहिर है यहां पर वैसा मुफीद माहौल और अवसर नहीं हैं कि वे स्वदेश में रहना चुनें। सिलिकॉन वैली की तर्ज पर भारत में तंत्र बनाना होगा ताकि हम अपनी चोटी की प्रतिभाओं को देश में ही बनाए रखें।

हमेशा प्राकृतिक सन-स्क्रीन का करें प्रयोग

बेंजीन एक अत्यधिक ज्वलनशील और वाष्पशील रासायनिक यौगिक है जो कच्चे तेल, गैसोलीन और सिगरेट के धुएं में पाया जाता रहा है। कोलैब्स इंटरनेशनल के अध्यक्ष और शोधकर्ता, डर्मेटोलॉजिक सर्जन, लॉरा कोहेन कहती हैं, इस तरह के उत्पादों में ऐसे रसायनों का इस्तेमाल कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है। हमेशा प्राकृतिक सन-स्क्रीन का ही प्रयोग किया जाना चाहिए।

इनमें होता है बेंजीन नामक रसायन

शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि करीब 78 सनस्क्रीन और सन-केयर उत्पादों में बेंजीन नामक एक अत्यधिक जहरीला रसायन पाया गया है जो कैंसर कारक हो सकता है। इस रसायन के संपर्क में आने के कारण कैंसर विकसित होने का जोखिम काफी बढ़ सकता है। यदि आप इसे निगलते हैं, छूते हैं या इसमें सांस लेते हैं तो यह आपको नुकसान पहुंचा सकता है। यह रसायन रूम टंप्रेचर पर आसानी से वाष्पित हो जाता है और पानी में घुल सकता है। डिटर्जेंट, दवाओं या कीटनाशकों के बाद अब सन-केयर उत्पादों में भी इसकी पुष्टि की गई है जिसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है।

धूप से बचाव के लिए सन-केयर प्रोडक्ट्स हैं खतरनाक

गर्मियों के इस मौसम में तेज धूप से बचाव करते रहना बहुत आवश्यक है। धूप न सिर्फ हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है साथ ही इसके अधिक संपर्क में रहने के कारण त्वचा की समस्याओं के बढ़ने का खतरा भी रहता है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि धूप से निकलने वाली अल्ट्रा-वायलट रेज के अधिक संपर्क में रहने वाले लोगों में स्किन कैंसर का खतरा हो सकता है। ऐसे में त्वचा को अधिक धूप से बचाने के उपाय किए जाने चाहिए। कुछ लोग इसके लिए सन-केयर प्रोडेक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। क्या सन-केयर प्रोडेक्ट्स वास्तव में त्वचा के लिए फायदेमंद हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इन उत्पादों में कैंसर कारक रसायनों के होने का दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों के संपर्क के कारण कैंसर का जोखिम हो सकता है, इसलिए सावधानी पूर्वक ही ऐसे किसी उत्पाद का प्रयोग किया जाना चाहिए।

बेंजीन कई प्रकार से होता है हानिकारक

आप कितने समय तक इसके संपर्क में हैं, उसके आधार पर इसके शरीर में दुष्प्रभावों का अंदाजा लगाया गया। बेंजीन, त्वचा के साथ रिएक्शन करके कई तरह की समस्याओं का कारक हो सकता है साथ ही दीर्घकालिक रूप में इससे कैंसर का जोखिम भी हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बेंजीन का उच्च स्तर ल्यूकेमिया और अन्य रक्त से संबंधित कैंसर का कारण बन सकता है। बेंजीन आपकी कोशिकाओं के काम करने के तरीके में हस्तक्षेप करता है। यह रोगाणु से लड़ने वाले एंटीबॉडी और सफेद रक्त कोशिकाओं को क्षति पहुंचाकर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकता है। शोधकर्ता कहते हैं इस तरह के उत्पादों से बचें, खरीदते समय जरूर जांच करें कहीं आपके उत्पाद में ये रसायन तो नहीं।

धूप से ऐसे करें बचाव

धूप में कई घंटे रहने के दौरान छाया की तलाश करें, सुरक्षात्मक कपड़े पहनें (जैसे, चौड़ी-चौड़ी टोपी, लंबी बाजू की शर्ट और धूप का चश्मा), और जब भी संभव हो सीधे धूप में निकलने को सीमित करें।

हंसना मना है

अस्पताल में नर्स की आंखों में आंखे डालकर रोमांटिक अंदाज में सोनू बोला... सोनू- आई लव यू, तुमने मेरा दिल चुरा लिया है। नर्स शर्माकर बोली- चल झूठे दिल को तो हाथ भी नहीं लगाया है, हमने तो सिर्फ किडनी चुराई है। सोनू बेहोश।

पति 12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई-कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

पत्नी- 'पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था' पति- 'वो तो अभी भी है' पत्नी खुश होकर- 'सच' पति- 'हां, पहले 300 एमएल की थीं, अब 2 लीटर की है!!!'

रमेश (नौकर से)- जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर- बाहर तो अंधेरा है। संता- अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

कहानी | किसी को जज ना करें

एक 25 साल की लड़की अपने पिता जी के साथ ट्रेन में सफर कर रही थी। तभी वह खिड़की से बहार देखते हुए उसने जोर से चिल्लाया पिता जी देखो ये पेड़ पीछे जा रहे है। पिता जी मुस्कुरा दिए। इस बात पर पास में बैठे लोगो ने देखा लड़की इतनी बड़ी है और इसका व्यवहार बच्चों के जैसा है। लोगों ने सोचा शायद ये लड़की मानसिक रूप से कमजोर है। तभी तो वह लड़की ट्रेन में बैठकर पेड़ पीछे जाने पर चिल्लाई। तभी एक बार फिर लड़की चिल्लाई और बोली पिता जी देखो ये बादल हमारे साथ दौड़ रहे हैं। यह सब देखकर तभी पास बैठे लोगो में से एक ने लड़की के पिता जी से कहा। माफ करिये पर आप अपनी लड़की का इलाज किसी अच्छे डॉक्टर से क्यों नहीं कराते हैं? लड़की के पिता मुस्कुराये और उस व्यक्ति को जवाब देते हुए कहा कि हां मैंने अपनी बेटी का इलाज करवा लिया है और अभी हम लोग हॉस्पिटल से ही आ रहे है। पिता जी ने उस व्यक्ति को बताया कि मेरी बेटी जन्म से ही अंधी थी। हॉस्पिटल में उसके इलाज के बाद आज ही उसने ये दुनिया देखना चालू किया है। इस लिए वह यह सब देखकर इतना उत्साहित है।

कहानी से सीख- कभी भी किसी के बारे में जानने से पहले उसे जज नहीं करना चाहिए क्योंकि जरूरी नहीं जो हम देख रहे हैं वही सच हो, सच कुछ भी हो सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। किसी काम में मित्रों की सलाह फायदेमंद साबित होगी। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

वृषभ

व्यावसायिक सन्दर्भ में आज का दिन एक नए उद्यम के साथ शुरू हो सकता है या आप नए सौदे को अंतिम रूप दे सकते हैं, जो भविष्य में अति लाभदायक सिद्ध होगा।

मिथुन

आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा सुखद रहेगी।

कर्क

महीने के दौरान पेशेवर यात्राएं अधिक हो सकती हैं। आपको अपने वरिष्ठों और आधिकारिक लोगों से सहायता, प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त होगा।

सिंह

आज पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्य का सहयोग प्राप्त होगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए।

कन्या

किसी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस हो सकती है, अतः सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें। निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं।

तुला

आज आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा। काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा।

वृश्चिक

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं। आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी। आपके काम सफल होंगे। किन्तु आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी।

धनु

आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपको यात्रा से लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

मकर

आज आप अपना काम बहुत सलीके से करेंगे। आपकी व्यावसायिक योग्यता विकसित होगी। नये उद्यम में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ शुभ रहेगा।

कुम्भ

आज परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग मिलेगा। आज आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मीन

आज का दिन आपके लिए मिश्रित प्रभावदायक है। इस समय आप जो भी बोलें बहुत सोच-समझ कर बोलें। कार्यस्थल पर जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

'सत्यप्रेम की कथा' का रोमांटिक सॉन्ग 'आज के बाद' हुआ रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

सत्यप्रेम की कथा के शानदार ट्रेलर और चार्टबस्टर गाना नसीब से के बाद, अब मेकर्स इसका टाइटल सॉन्ग जारी किया है, जिसके बोल आज के बाद है। ये गाना प्योर लव स्टोरी की धुन पेश करता है। फिल्म के टीजर में गाने की एक झलक देखने के बाद से ही इस गाने का दर्शकों को इंतजार रहा है।

इस गाने को आइकोनिक बड़ौदा पैलेस में खूबसूरती से शूट किया गया है। गाने के विजुअल्स लार्जर देन लाइफ विजुअल्स की तरह दिख रहें है। वैसे साजिद नाडियाडवाला हमेशा बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के लिए जाने जाते हैं और सत्यप्रेम की कथा में भी प्रोडक्शन वैल्यू का ये नजारा देखा जा सकता है। इस गाने को मनन भारद्वाज और तुलसी कुमार द्वारा खूबसूरती से गाया गया हैं और इसका म्यूजिक और लीरिक्स मनन भारद्वाज ने दिए हैं। अपनी दिल को छू लेने वाली रोमांटिक धुन के साथ, यह गाना यकीनन केसरिया और कबीरा जैसे आइकोनिक रोमांटिक गानों जितना ही खूबसूरत है। इसके अलावा, गाने में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जबरदस्त केमिस्ट्री उन्हें शाहरुख-काजोल और रणबीर-दीपिका जैसी बॉलीवुड की प्रतिष्ठित जोड़ियों की लीग में खड़ा करती है।

सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नमः पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देशक समीर विद्वांस के साथ अपनी अपनी फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता हैं। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बीवी और बच्चों को संभालने के लिए बदला करियर : संजय कपूर

संजय कपूर अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहे हैं, लेकिन अभिनेता को फिल्म इंडस्ट्री में उतनी सफलता नहीं मिली, जो अनिल कपूर को मिली है। बाद में संजय ने फिल्मों को छोड़कर प्रोडक्शन का रुख किया। अभिनय में भले ही संजय औंधे मुंह गिरे हो, लेकिन प्रोडक्शन से उनकी किस्मत जरूर चमक गई है। अब हाल ही में, संजय ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और बताया है कि जिंदगी के वह कौन से फैसले थे, जिनकी वजह से उनका करियर पटरी पर आ सका है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में संजय ने अपने करियर के शुरुआती दिनों के कुछ किस्सों को साझा करते हुए बताया कि उनका शुरुआती करियर तो काफी अच्छा था। एक दो फिल्में भी चली थीं, लेकिन यह लोकप्रियता ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकी। आगे चलकर संजय की फिल्मों ने अच्छा प्रदर्शन करना बंद कर दिया। हालांकि, इन सब के बाद भी अभिनेता ने हार नहीं मानी और अभिनय का रास्ता छोड़कर फिल्म निर्माण को बतौर अपना करियर चुना। संजय ने संघर्ष के दिनों को लेकर अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था, जब मेरे पास कई सारी फिल्में थीं। मैं जिन भी फिल्मों में काम करता था, वह नहीं चलती थी। इसके बाद मुझे लगा कि अब मुझे रुक जाना चाहिए और कोई भी ऐसी वैसी फिल्म साइन नहीं करनी चाहिए। इसके बाद मैंने फिल्म लाइन को पूरी तरह छोड़ दिया। मैं प्रोडक्शन में इसलिए आया क्योंकि मुझे भी अपने खाने-पीने के लिए काम करना था। बच्चों और बीवी को संभालने के लिए काम तो सबको करना पड़ता है।' संजय ने आगे कहा, 'मुझे खुशी इस बात की है कि मैंने जो भी काम किया, उसमें मुझे सम्मान जरूर मिला। मैंने किसी को मौका नहीं दिया कि वह मुझपर तरस खाकर मुझे कोई काम दे। मैंने भले ही अपने करियर के साथ एक्सपेरिमेंट किया है, लेकिन मैंने जो भी काम किया है, उससे मुझे पूरी संतुष्टि मिली है और मैं आज अपने परिवार को भी चला पाने में सक्षम हूं।'

काजोल ने तोड़ा फैंस का दिल

सोशल मीडिया को कहा अलविदा

हिंदी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस काजोल ने अपनी एक्टिंग से फैंस के दिल में एक खास जगह बनाई है. वह अक्सर अपने अपनी फिल्म और फैशन स्टाइल से अपने चाहने वालों को इंप्रेस करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। लेकिन एक्ट्रेस ने इस बार अपने फैंस को निराश किया है। दरअसल काजोल ने अचानक ही सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया है।

काजोल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा- मैं अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल ट्रायल को फेस कर रही हूं। इस फोटो के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं। इतना ही एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम से अपनी पुरानी सारी फोटोज भी हटा दी है। काजोल ने अचानक इंस्टाग्राम को अलविदा कह दिया है, जिससे उनके फैंस बुरी तरह से टूट गए हैं। इतना ही एक्ट्रेस का पोस्ट देख फैंस की चिंता भी बढ़ गई है। काजोल का इस तरह से सोशल मीडिया छोड़ने से फैंस काफी दुखी हुए सोशल मीडिया पर लोगों ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपना रिएक्शन दिया- हे काजोल उम्मीद करते हैं, आप बिल्कुल सही होंगी।

आग से जलाकर लाइलाज बीमारी का इस देश में किया जाता है इलाज

पूरी दुनिया में इजाल के अलग-अलग तरीके अपनाए जाते हैं। जिसमें आयुर्वेद, होम्योपैथी, ऐलोपैथी जैसे तरीके शामिल हैं। लेकिन आज हम आपको चीन में इजाल की एक ऐसी पद्धति के बारे मे बताने जा रहे हैं जिसके बारे में शायद ही आपने कभी सुना हो। दरअसल, हम आपको बताने जा रहे हैं चीन में अपनाई जाने वाली %फायर थेरेपी% के बारे में। जो कई तरह के इलाज की गारंटी देती है। इस थेरेपी में मरीज का इलाज आग से झुलसा कर किया जाता है। दरअसल, चीन में फायर थेरेपी पिछले 100 सालों से चलन में है। यहां आज भी आग से झुलसा कर कई बीमारियों का इलाज किया जाता है। जिसमें मरीज के शरीर पर पहले अल्कोहल का छिड़काव किया जाता है। उसके बाद उसमें आग लगा दी जाती है। कुछ लोग इसे एक खास तरह का इलाज कहते हैं, जिससे तनाव, बदहजमी, बांझपन से लेकर कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चीन के चिकित्सक पिछले 100 साल से फायर थेरेपी को अपना रहे हैं। आजकल फायर थेरेपी के कई वीडियो और तस्वीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हालांकि इन वीडियो के माध्यम से आप यह नहीं जान पाएंगे कि यह थेरेपी सच में कारगर है या नहीं। बता दें कि इस थेरेपी के कारगर होने के हमें कोई प्रमाण नहीं मिले हैं और आप इस थेरेपी को अपनाने की गलती ना करें। क्योंकि बिना किसी एक्सपर्ट और चिकित्सक की सलाह के ये आपके लिए नुकसानदायक हो सकती है। बता दें कि फायर थेरेपी से इलाज करने के लिए चीन में झांग फेंगाओ काफी लोकप्रिय हैं। उनके मुताबिक, फायर थेरेपी मानव इतिहास की चौथी सबसे बड़ी क्रांति है। इसनें चीन और पक्षिमी देश की इलाज पद्धतियों को काफी पीछे छोड़ दिया है। फेंगाओ अपने बीजिंग के एक छोटे से अपार्टमेंट में लोगों का फायर थेरेपी से इलाज करते हैं। पहले वो मरीज की पीठ पर जड़ी-बूटियों का लेप लगाते हैं, उसके बाद उसे एक तौलिये से ढक देते हैं। फिर उसपर पानी और अल्कोहल का छिड़काव करने के बाद आग लगा देते हैं। ऐसा माना जाता है कि आग की गर्मी और जड़ी-बूटियों का मिश्रण तुरंत ही शरीर को राहत पहुंचाने का काम करता है। इलाज की यह विधि चीन की प्राचीन मान्यताओं पर आधारित है। इस विधि में शरीर की गर्मी और ठंढक के बीच सामंजस्य बनाने पर जोर दिया जाता है। फेंगाओ के मुताबिक शरीर की ऊपरी सहत को गर्म करके अन्दर की ठंढक को दूर किया जाता है। ये ट्रीटमेंट प्रेडर विली सिंड्रोम नाम की बीमारी ड्डसे ग्रस्त लोगों को दिया जाता है। बता दें कि प्रेडर विली सिंड्रोम बीमारी में इंसान की वजन लगातार बढ़ता जाता है।

अजब-गजब | 12000 साल पहले हड्डियों से बनाई गई, साइंटिस्ट भी देखकर चकित

दुनिया की सबसे पुरानी बांसुरी मिली

वैसे तो बांसुरी का जब भी जिक्र आता है तो भगवान श्रीकृष्ण याद आते हैं। क्योंकि उनकी बांसुरी की गोपियां ही नहीं, पूरी दुनिया मुरीद है। लेकिन इजराइल के पुरातत्वविदों को अब एक ऐसी बांसुरी मिली है, जो 12000 साल पुरानी है। इसे दुनिया की सबसे पुरानी बांसुरी भी बताया जा रहा है। आप जानकर हैरान होंगे कि यहां कोई एक या दो नहीं बल्कि बांसुरी पूरा बंडल है, जिसे देखकर साइंटिस्ट भी चकित हैं कि आखिर इतनी पुरानी बांसुरी इतनी सुरक्षित कैसे है।

दरअसल, इजराइल में आयनन ऐन मल्लाह नामक जगह है, जहां बीते 30 सालों से खुदाई चल रही है। इसे ऐन मल्लाह के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में यहां नाटुफ़यिन की बस्ती थी। इन्हें शिकारी भी माना जाता है। 1950 के दशक में इस जगह की तलाश की गई थी, लेकिन वर्षों तक इसकी गंभीरता से खुदाई नहीं हुई। पिछले साल पुरातत्वविद जब इस जगह की खाक छान रहे थे तभी 1100 पक्षियों की हड्डियों के भंडार के बीच बिखरी हुई बांसुरी नजर आई। पता चला कि इन्हें समुद्र में रहने वाले छोटे पक्षियों की हड्डियों से बनाया गया था। इनमें से सिर्फ एक बांसुरी ही पूरी तरह बनकर तैयार थी। इसकी लंबाई 2.6 इंच यानी 65 मिलीमीटर बताई गई है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में 9 जून को पब्लिश रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिसर्च के लेखक और यरुशलम में फ्रेंच रिसर्च सेंटर में पुरातत्व के पोस्टडॉक्टोरल फेलो लॉरेंट डेविन ने इस बारे में लाइव साइंस से बात की। उन्होंने बताया कि यह बांसुरी प्रागैतिहासिक काल के आज तक ज्ञात सबसे छोटे ध्वनि उपकरणों में से एक है। गेरू लगाने की वजह से इसका रंग लाल है। हमें लगता है कि तब लोग एक तार से इसे बांधकर रखते थे और गले में पहन लिया करते थे। जब इसे बजाया गया तो यूरेशियन स्पैरोहॉक्स और कॉमन केस्ट्रेल जैसे तेज आवाज आई।

डॉक्टर लॉरेंट डेविन ने कहा, नाटुफियंस ने उन छोटी हड्डियों को इसलिए चुना क्योंकि वे बाज की आवाज की नकल करने के लिए इस तरह की तेज आवाज चाहते थे। यह ध्वनि के प्रति उनकी समझ को दिखाता है। शायद वे यह जानते थे कि बाज से निपटने के लिए या उसे बुलाने के लिए तेज ध्वनि निकालना जरूरी था। डेविन ने कहा, हमने कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके इसकी प्रतिकृतिक बनाई और जब मैंने इसे पहली बार बजाया और 12,000 साल पहले नैटुफियंस द्वारा बनाई गई आवाज सुनी, तो यह बहुत ही मार्मिक था। इससे लगता है कि नैचुफियंस ने शिकार करते समय या पक्षियों के साथ संवाद करने के लिए एयरोफोन का इस्तेमाल किया था।

लाडली बहना योजना से सौदेबाजी कर रहे शिवराज : कमलनाथ

कहा-भाजपा सरकार के झूठ को समझ चुकी नारी शक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर निशाना साधा है। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी, आदर, सम्मान और स्नेह कि कभी बोली नहीं लगाई जाती। इसमें कोई मोल-भाव नहीं होता। यह हृदय और भावना के विषय हैं। लेकिन कल जिस तरह से लाडली बहना योजना में आपने रकम बढ़ाने के दावे किए वह किसी भाई का प्रेम नहीं बल्कि किसी सौदागर की सौदेबाजी लग रही थी।

दरअसल, शिवराज सरकार ने लाडली बहना योजना के जवाब में कमलनाथ ने नारी सम्मान योजना लांच की है। इसमें 15 सौ रुपए और 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा किया है। शनिवार को एक हजार रुपए महिला के खाते में डालने के समय सीएम शिवराज ने राशि तीन हजार रुपए तक बढ़ाने का दावा किया। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इसमे आधी आबादी को साधने के लिए दोनों ही प्रमुख दल जुटे हुए है।

आरएसएस रावण है: गोविंद सिंह

नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह ने रविवार को भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। गोविंद सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष है। रावण के तो 100 पुत्र थे, आरएसएस के सौ-डेढ़ सौ है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का नाम राष्ट्रीय स्वयं सेवक नहीं है, उसका नाम राष्ट्रीय षड्यंत्रकारी संगठन है। भाई भाई को लड़ाने का काम करता है। धार्मिक उन्माद फैलाने का काम करता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार प्रियंका गांधी की सभा को असफल करने की साजिश रच रही है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रियंका गांधी के मध्य प्रदेश दौरे से शिवराज सिंह चौहान घबराएं हुए है। उन्होंने कहा कि सीएम ने अधिकारियों को प्रियंका गांधी की सभा को असफल करने के निर्देश दिए है। कार्यकर्ताओं को सभा स्थल पर जाने से रोकने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है।

बोली लगाना मध्यप्रदेश की परंपरा नहीं

कमलनाथ ने कहा कि इस तरह बोली लगाना मध्यप्रदेश की परंपरा नहीं। मध्य प्रदेश भारत का हृदय प्रदेश है। हम दिल जोड़ते हैं, रिश्ते जोड़ते हैं, संबंध जोड़ते हैं। लेकिन आपका भी कोई कसूर नहीं है, सौदेबाजी की सरकार सौदेबाजी की भाषा ही बोल सकती है। आपका आत्मविश्वास हिल चुका है। प्रदेश की समस्त जनता और नारी शक्ति आपके झूठ को समझ चुकी है। सौ बार झूठ को दोहराने से वह सत्य नहीं हो सकता। इसलिए मध्य प्रदेश की बहनें सौदेबाजी की सरकार की सौदेबाजी की घोषणाओं पर विश्वास नहीं कर रही हैं उन्हें पता है कि 4 महीने बाद कांग्रेस सरकार बनेगी और उन्हें नारी सम्मान योजना में रुपए 1500 हर महीने और 500 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। बहनों के परिवारों को 100 यूनिट बिजली बिल माफ और 200 यूनिट हाफ मिलेगी। प्रदेश की नारी को समग्र सम्मान मिलेगा। जय नारी, जय मध्यप्रदेश।

शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने वाला हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पुलिस की अपराध शाखा ने एनसीपी नेता शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुणे से एक आईटी पेशेवर को गिरफ्तार किया। 32 वर्षीय सागर बर्वे के रूप में पहचाने गए संदिग्ध को रविवार को एस्प्लेनेड अदालत में पेश किया गया। उसे 14 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एनसीपी नेता शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रविवार को पुणे से एक आईटी पेशेवर को गिरफ्तार किया।32 वर्षीय सागर बर्वे के रूप में पहचाने गए संदिग्ध को रविवार को एस्प्लेनेड अदालत में पेश किया गया। उसे 14 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बर्वे ने कथित तौर पर फेसबुक पर शरद पवार के खिलाफ धमकी भरा पोस्ट किया था। फेसबुक और ट्विटर सहित सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

फोटो: सुमित कुमार

सियासी मॉर्निंग वॉक

भाजपा सांसद मनोज तिवारी लखनऊ स्थित बॉटनिकल गार्डन में मॉर्निंग वॉक के दौरान लोगों से मिले। उन्होंने मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियां बताईं।

15 जून को और खतरनाक होगा बिपरजॉय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक बार फिर तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, बेहद खतरनाक चक्रवात के कारण 15 जून को कच्छ जिले और पाकिस्तान के कराची के बीच भूस्खलन होने की संभावना है। वहीं, कल खराब मौसम के कारण मुंबई हवाईअड्डे पर कई उड़ानों में देरी हुई। मौसम विभाग की माने तो बिपरजॉय ने कल और भी भयानक रूप ले लिया है।

मौसम विभाग के अनुसार, जिन जिलों को अलर्ट पर रखा गया है वे कच्छ, जामनगर, मोरबी, गिर सोमनाथ, पोरबंदर और देवभूमि द्वारका हैं। इन जिलों में 13-15 जून के दौरान भारी बारिश और बहुत तेज हवा की गति वाले चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना है, जो 150 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है। चक्रवात

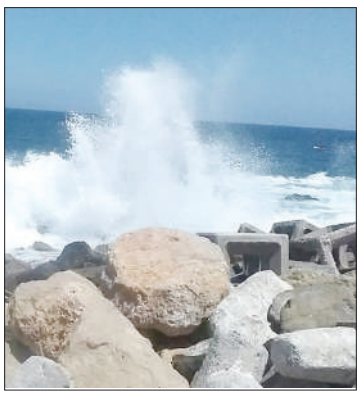

के बढ़ते खतरे को देखते हुए 1500 से अधिक लोग शेल्टर की शरण में पहुंच गए हैं। वहीं मछुआरों को 15 जून तक तट पर जाने को लेकर सतर्क कर दिया है। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 13 से 15 जून के बीच बहुत तेज हवा की गति वाले चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना है, जो 125 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है। इसकी वजह से देवभूमि में बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इसलिए सभी जरूरी कदम उठा लिए गए हैं।

उड़ानों पर असर

खराब मौसम के कारण मुख्य रनवे के अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। इससे मुंबई हवाईअड्डे पर कई उड़ानों में देरी हुई। वहीं, यात्रियों को रविवार रात घंटों इंतजार करना पड़ा। यात्रियों को परेशान देखा गया। इधर-उधर जानकारी लेने के दौड़ते दिखे। इन सब को देखते हुए एयर इंडिया ने ट्वीट किया की खराब मौसम के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे 09/27 के अस्थायी बंद करना पड़ा। इसलिए कुछ उड़ानों में देरी होगी और कुछ को रद्द किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया बनी विश्व टेस्ट की चैंपियन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 में भारतीय टीम को 209 रनों से ऑस्ट्रेलिया की दमदार टीम ने मात दे दी है। भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मुकाबले के अंतिम दिन आधे दिन भी मैच में नहीं टिक सके। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बन गई है जिसके पास आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी कब्जे में करने की उपलब्धि है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया है।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 में भारतीय टीम को 209 रनों से ऑस्ट्रेलिया की दमदार टीम ने मात दे दी है।

भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मुकाबले के अंतिम दिन आधे दिन भी मैच में नहीं टिक सके। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बन गई है जिसके पास आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी कब्जे में करने की उपलब्धि है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया है। लगातार दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस मुकाबले के अंतिम दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी।

आईसीसी की सभी ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बनी

भारतीय टीम 10 वर्षों से आईसीसी की किसी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं कर सकी है। वहीं इस हार के साथ भारत का सूखा और अधिक समय के लिए बढ़ गया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने लंदन के ओवल मैदान में फाइनल मुकाबला जीतकर इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली टीम है जिसने आसीसी वनडे वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी भी जीत ली है। आईसीसी की सभी ट्रॉफियों को जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया दुनिया की पहली टीम है।

भारत की महिलाओं ने जीता जूनियर हॉकी एशिया कप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काकामिगाहारा। भारत ने रविवार को यहां चार बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार महिला जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब जीता। भारत के लिए अनु और नीलम ने गोल दागे जबकि कोरिया के लिए एकमात्र गोल पार्क सियो यिओन ने किया। पहला क्वार्टर गोल रहित बराबर रहने के बाद भारत ने 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनु के गोल की बदौलत बढ़त बनाई।

जापान के खिलाफ सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अनु ने गोलकीपर के बाईं ओर से गोल दागते हुए भारत को 1-0 से आगे किया। दक्षिण कोरिया ने हालांकि तीन मिनट बाद पार्क सियो यिओन के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 कर दिया। नीलम ने 41वें मिनट में दक्षिण कोरिया की गोलकीपर के दाईं ओर से गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। भारतीय टीम ने इसके बाद अंतिम क्वार्टर में अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की।

सीएम हों या मंत्री किसी की हिम्मत ही नहीं जो पंद्रह से अधिक सालों से एक ही जगह जमे इस अफसर को हटा कर दिखा दें

मो. शारिक

लखनऊ। भ्रष्ट में आकंठ डूबे एक अधिकारी का रुतबा ऐसा है कि वह पिछले 15 साल से लगातार नगर निगम में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के रूप में जमा बैठा है। सीएम, मंत्री, बड़े-बड़े अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी उसको टस से मस नहीं किया जा सका है। वह भ्रष्टाचारी आज भी विभाग को चूना लगाने में जुटा है। उधर हाल ही में राज्य सरकार ने अपनी नई तबादला नीति लागू की है जिसमें किसी भी कर्मचारी को किसी स्थान पर तीन साल से ज्यादा तैनात रहने का आदेश नहीं है। उसे हर हाल में दूसरे जनपद में जाना जरूरी है पर अशोक सिंह के लिए ये स्थानांतरण नीति लागू नहीं होती है। बड़े मिया तो बड़े मिया छोटे मियां सुभानअल्लाह है। मतलब कि वो तो जमे ही हुए हैं अपने मातहतों को भी अपने रसूख के दम पर वहां पर वर्षों से जमाए हुए हैं। सूत्रों की माने तो वह सब उनको अपनी कमाई को कुछ हिस्सा पहुंचाते हैं।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

दरअसल अशोक सिंह, दिनेश कुमार, किशोरी लाल वर्षों से नगर निगम को खोखला करने का काम कर रहे है। शासन में ऊंची पहुंच के चलते उनका तबादला नहीं हो पाता है। वहीं नगर निगम के प्रचार विभाग में तो उल्टी गंगा बह रही है वहां पर प्रचार के काम को देख रहे अधिकारी विभाग को विज्ञापन एजेंसियों के बकाए दिलाने की बजाए अपनी जेबें भरने में जुटें हैं। अशोक सिंह के सबसे करीबी पंकज अवस्थी ने होर्डिंग और यूनिपोल में अब तक लाखों क घोटाला कर दिया है। गौरतलब हो कि सालों से बड़ी-बड़ी एजेंसियों पर करोड़ो का बकाया है। अशोक सिंह की सांठ गांठ के चलते ये एजेंसी अपनी मनमानी करते हैं। उधर इकाना स्टेडियम का यूनीपोल गिरने के हादसे के बाद

बड़ी बड़ी एजेंसियों की पोल खुलती नजर आ रही है। ना जाने और ऐसी कितनी कंपनियां है जो अशोक सिंह और पंकज अवस्थी की सांठ गांठ से नगर निगम को चूना लगा रहीं हैं।

इतनी शिकायतों के बाद भी इन भ्रष्टाचारी अफसरों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इनकी मनमानी ऐसी है कि जोन में वे जो चाहते हैं वैसा करवाते हैं। इन लोगों ने यूनिपोल,होर्डिंग नगर निगम की टैक्स वसूली को भी बट्टा लगा रहे। वहीं ये सालों से ट्रांसफर, पोस्टिंग में भी बड़ा खेल करने में जुटें में है। ये लोग कर्मचारियों और जोनल में जिसको जहां मन करता है वहां उसको उस जोन में बैठा देते है।

महापौर टैक्स पर करेंगी समीक्षा

लखनऊ की महापौर ने लगातार टैक्स को लेकर गड़बड़ी सामने आने पर गंभीरता से लिया है। उन्होंने नगर निगम में हाउस टैक्स की समीक्षा बैठक भी की। गौरतलब हो कि हाउस टैक्स को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी।

लगवाई जाती हैं परमिशन से ज्यादा होर्डिंग्स

अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह जो प्रचार का काम देखते हैं यहां पर अपना ही जिओ लागू करवाते हैं। पूरे लखनऊ में जितनी भी होर्डिंग्स लगी है सब को यही मॉनिटर करते है। आलम यह है कि जहां 250 होर्डिंग की परमिशन है वहां ये 10 गुना ज्यादा होर्डिंग व यूनिपोल की इजाजत देकर अपनी मुट्ठी गर्म करवा लेते हैं। सूत्रों के मुताबिक अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह ने कुछ अपने करीबियों को पार्किंग का ठेका भी दे रखा है। जानकारी मिली है बिना पैसा लिए किसी का पेमेंट वाली कार्य की फाइल पर सिग्नेचर नहीं करते है। ये 3 से 4 प्रतिशत तक कमीशन लेते है। ये महोदय नगर विकास मंत्री के जिले से भी है और सूत्रों के मुताबिक सुनने में यहां तक ये भी आया है कि यह नगर विकास मंत्री के पीएस से रोजाना रात 10बजे के बाद मिलते भी हैं।

बालासोर रेल हादसा : दस सदस्यीय टीम पड़ताल में जुटी

सीबीआई ने एक अधिकारी समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्ववर। ओडिशा के बालासोर जिले के बाहानगा में 2 जून को 288 लोगों की जान लेने वाले भयावह रेल हादसे में केंद्रीय खुफिया ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पांच लोगों में एक अधिकारी भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि बीते 2 जून को भीषण ट्रेन हादसे के बाद से सीबीआई मामले की जांच कर रही है। सीबीआई की दस सदस्यीय टीम इस मामले से जुड़े कई लोगों से पूछताछ करते हुए मामले की जांच कर रही है। लगभग नौ अधिकारी, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभारी थे, अब सीबीआई की जांच के दायरे में हैं।

बाहानगा स्टेशन को किया सील

बाहानगा बाजार थाने को सील कर दिया गया है, जबकि वैज्ञानिक टीम ने कई नमूने जब्त किये हैं। रिले रूम को भी जांच के दायरे में ले लिया है। इस स्टेशन पर किसी भी ट्रेन को तब तक रुकने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि सीबीआई इसकी अनुमति नहीं देगी। गौरतलब है कि हादसे के बाद से ही सीबीआई की टीम बालेश्वर में डेरा डाले हुए हैं। सीबीआई टीम को इस हादसे का सुराग हाथ लग गया है।

सीबीआई को मिलीं कई अहम जानकारियां

बाहानगा बाजार रेलवे स्टेशन का सीबीआई की टीम लगातार दौरा कर रही है। जांच के दौरान सीबीआई ने स्टेशन में मौजूद विभिन्न कम्प्यूटर के हार्ड डिस्क को भी जब्त किया है। इसके अलावा रिकॉर्ड किए गए कई महत्वपूर्ण तथ्य भी संग्रह किए हैं। बाद में बाहानगा स्टेशन के अन्दर मौजूद प्राइवेट नंबर एक्सचेंज बुक की जांच की। टीम ने इस समय के दौरान रिले रूम, पैनल रूम एवं डाटा लॉकर को सील कर दिया है।

स्टेशन मास्टर को दी गई थी सिग्नल में खराबी की जानकारी

सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान सीबीआई के हाथ एक बड़ी जानकारी लगी है। कोरोमंडल के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले सिग्नल की खराबी का पता चला था। दो जून की सुबह कर्मचारियों ने बाहानगा बाजार स्टेशन के सहायक स्टेशन मास्टर (एएसएम) को गड़बड़ी की जानकारी दी। इसके बाद एएसएम ने टेक्नीशियन को बुलाया, लेकिन चूंकि उसके आने में देरी हो रही थी तो उसे फोन किया गया है और ट्रेन के संचालन के लिए सिग्नलिंग सिस्टम ठीक करने को कहा। करीब 11 बजे टेक्नीशियन ने सिग्नल सिस्टम को ठीक किया। हालांकि, एएसएम ने यह जांच नहीं की कि उक्त सिग्नलिंग सिस्टम ठीक से काम कर रहा है या नहीं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।